दैनिक भास्कर भिलाई भास्कर 10-02-2026

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के छात्रों ने पीएम से किया संवाद, पीएम बोले - परीक्षा का बोझ न लें, इससे आत्ममूल्यांकन कर सीख लें, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के द्वितीय एपिसोड में छात्रा ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय ने पीएम से सवाल पूछे, पीएम ने उनसे व्यक्तिगत अनुभव साझा किए

सिटी रिपोर्टर | दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के द्वितीय एपिसोड में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग की दो छात्राओं ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय को सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि दुर्ग शहर के साथ-साथ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग और संपूर्ण रायपुर संभाग के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। संवाद के दौरान दोनों छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ अपने प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर प्रधानमंत्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि सीखने और आत्ममूल्यांकन का अवसर मानने की प्रेरणा दी तथा सकारात्मक सोच, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया।

पीएम छात्रा ख्याति को मिठाई खिलाते हुए।

कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अजय आर्य ने बताया कि विद्यालय की दो छात्राओं को प्रधानमंत्री से प्रत्यक्ष मिलने का अवसर प्राप्त हुआ, जो अपने आप में अत्यंत प्रेरणादायी अनुभव रहा। प्रधानमंत्री ने जिस सहजता से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों को स्वीकार किया और अपने हाथों से बच्चों को खिलाया, वह उनके महान व्यक्तित्व, आत्मीयता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री का छात्रों से सीधा संवाद, उनकी सरलता, परीक्षा को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण और जीवन मूल्यों से जुड़ी प्रेरणादायक बातें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी सीख का सशक्त माध्यम बनीं।

प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम की सराहना करते हुए बिंदु शिवराजन ने कहा कि 'परीक्षा पर चर्चा' विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की दिशा देता है। एसके चतुर्वेदी ने इसे छात्रों के मानसिक विकास और सकारात्मक सोच को सुदृढ़ करने वाला मंच बताया, वहीं विकास यादव ने प्रधानमंत्री के सरल व्यक्तित्व और संवाद शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरक कहा।

विद्यालय के मुख्य अध्यापक कमल सोनी ने कहा कि यह कार्यक्रम परीक्षा को उत्सव के रूप में देखने की सोच विकसित करता है, जबकि उप-प्राचार्य पुष्पा बड़ा के अनुसार 'परीक्षा पर चर्चा' विद्यार्थियों में आत्मबल, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियों को शामिल कराने में विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य उमाशंकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके साथ ही इन छात्राओं को केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग की उपायुक्त पीवीएस उषा और सहायक आयुक्त विवेक चौहान से निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्राप्त होता रहा, जिससे वे इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम तक पहुंच सकी।

दैनिक भास्कर भिलाई भिलाई-रायपुर, मं

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के छात्रों ने पीएम से किया संवाद, पीएम बोले - परीक्षा का बोझ न लें, इससे आत्ममूल्यांकन कर सीख लें, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के द्वितीय एपिसोड में छात्रा ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय ने पीएम से सवाल पूछे, पीएम ने उनसे व्यक्तिगत अनुभव साझा किए

सिटी रिपोर्टर | दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के द्वितीय एपिसोड में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग की दो छात्राओं ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय को सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि दुर्ग शहर के साथ-साथ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग और संपूर्ण रायपुर संभाग के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। संवाद के दौरान दोनों छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ अपने प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर प्रधानमंत्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि सीखने और आत्ममूल्यांकन का अवसर मानने की प्रेरणा दी तथा सकारात्मक सोच, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया।

पीएम छात्रा ख्याति को मिठाई खिलाते हुए।

कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अजय आर्य ने बताया कि विद्यालय की दो छात्राओं को प्रधानमंत्री से प्रत्यक्ष मिलने का अवसर प्राप्त हुआ, जो अपने आप में अत्यंत प्रेरणादायी अनुभव रहा। प्रधानमंत्री ने जिस सहजता से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों को स्वीकार किया और अपने हाथों से बच्चों को खिलाया, वह उनके महान व्यक्तित्व, आत्मीयता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री का छात्रों से सीधा संवाद, उनकी सरलता, परीक्षा को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण और जीवन मूल्यों से जुड़ी प्रेरणादायक बातें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी सीख का सशक्त माध्यम बनीं।

प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम की सराहना करते हुए बिंदु शिवराजन ने कहा कि 'परीक्षा पर चर्चा' विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की दिशा देता है। एसके चतुर्वेदी ने इसे छात्रों के मानसिक विकास और सकारात्मक सोच को सुदृढ़ करने वाला मंच बताया, वहीं विकास यादव ने प्रधानमंत्री के सरल व्यक्तित्व और संवाद शैली को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरक कहा।

विद्यालय के मुख्य अध्यापक कमल सोनी ने कहा कि यह कार्यक्रम परीक्षा को उत्सव के रूप में देखने की सोच विकसित करता है, जबकि उप-प्राचार्य पुष्पा बड़ा के अनुसार 'परीक्षा पर चर्चा' विद्यार्थियों में आत्मबल, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने क प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियं को शामिल कराने में विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य उमाशंकर क महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके साथ इन छात्राओं को केंद्रीय विद्याल संगठन रायपुर संभाग की उपायुक पीवीएस उषा और सहायक आयुक विवेक चौहान से निरंतर मार्गदर्शन प प्रोत्साहन प्राप्त होता रहा, जिससे इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम तक पह सकी।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Ispat Bhoomi - 12 Feb 2026 - Page 5

ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय से प्रधानमंत्री से की चर्चा, केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में हर्ष का माहौल

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग की दो छात्राओं को प्रधानमंत्री से मिलने का मिला अवसर, परीक्षा पर चर्चा कर मिला अनुभव

कार्नर न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा के दूसरे एपिसोड में पीएम केंद्रीय विद्यालय दुर्ग की दो छात्राओं ख्याति साहू और अदिति उपाध्याय को सहभागिता का अवसर मिला। यह उपलब्धि दुर्ग शहर के साथ-साथ पीएम केंद्रीय विद्यालय दुर्ग और पूरे रायपुर संभाग के लिए गौरव का विषय है। इस उपलब्धि के पीछे विद्यालय की शिक्षिका बिंदु शिवराजन का विशेष योगदान रहा। साथ ही विद्यालय की उप-प्राचार्य पुष्पा बड़ा द्वारा भी छात्राओं को निरंतर प्रोत्साहित किया गया।

प्रधानमंत्री के इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियों को शामिल कराने में विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य उमाशंकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके साथ ही इन छात्राओं को केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग की उपायुक्त पीवीएस उषा और सहायक आयुक्त विवेक चौहान से निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा, जिससे वे इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम तक पहुंच सकीं।

अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी सीख का माध्यम

कार्यक्रम के संबंध में डॉ. अजय आर्य ने बताया कि विद्यालय की दो छात्राओं को प्रधानमंत्री से प्रत्यक्ष मिलने का अवसर प्राप्त हुआ, जो अपने आप में अत्यंत प्रेरणादायी अनुभव रहा। प्रधानमंत्री ने जिस सहजता से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों को स्वीकार किया और अपने हाथों से बच्चों को खिलाया, वह उनकी आत्मीयता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री का छात्रों से सीधा संवाद, उनकी सरलता, परीक्षा को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण और जीवन मूल्यों से जुड़ी प्रेरणादायक बातें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए भी सीख का सशक्त माध्यम बनीं।

संवाद शैली विद्यार्थियों के लिए रही प्रेरणादायक

प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम की सराहना करते हुए बिंदु शिवराजन ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की दिशा देता है। एस. के. चतुर्वेदी ने इसे छात्रों के मानसिक विकास और सकारात्मक सोच को सुदृढ़ करने वाला मंच बताया, वहीं विकास यादव ने प्रधानमंत्री के सरल व्यक्तित्व और संवाद शैली को विद्यार्थियों के लिए प्रेरक कहा। विद्यालय के मुख्य अध्यापक कमल सोनी ने कहा कि यह कार्यक्रम परीक्षा को उत्सव के रूप में देखने की सोच विकसित करता है, जबकि उप-प्राचार्या ने परीक्षा पर चर्चा विद्यार्थियों में आत्मबल, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया।